सीएसआईआर-सीरी और बिट्स-पिलानी द्वारा वीएलएसआई डिजाइन और टेस्ट (वी-डैट 2023) संगोष्ठी का आयोजन

वीएलएसआई डिजाइन एंड टेस्ट (वी-डैट) विषय पर बिट्स-पिलानी और सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 29 सितंबर से 01 अक्टूबर 2023 तक तीन-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 27वीं अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का उद्घाटन एवं तकनीकी सत्र दिनांक 29 सितंबर, 2023 को बिट्स-पिलानी में हुआ। संगोष्ठी का समापन सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में आयोजित पैनल परिचर्चा एवं विदाई सत्र के साथ हुआ। संगोष्ठी में बिट्स-पिलानी व सीएसआईआर-सीरी सहित उद्योग जगत, शैक्षणिक व शोध संगठनों से 150 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। संगोष्ठी का उद्देश्य वीएलएसआई के क्षेत्र में शोध एवं विकास गतिविधि का संवर्धन करना एवं शोधार्थियों को इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में नवाचारों के लिए प्रेरित व प्रोत्साहित करना है।

उद्घाटन सत्र के दौरान मंच पर उपस्थित अतिथिगण

उद्घाटन सत्र

बिट्स-पिलानी में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए बिट्स-पिलानी के ग्रुप वाइस चांसलर प्रोफेसर वी रामगोपाल राव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने इंटरडिसिप्लिनरी शोध की आवश्यकता और महत्व पर बल देते हुए शोधार्थियों को नवाचार के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में सीएसआईआर-सीरी के पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर, वरिष्ठ इमेरिटस प्रोफेसर, बिट्स-पिलानी ने वीएलएसआई (वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन) की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए इस महत्वपूर्ण विषय को वर्ष 1989 में एमटेक पाठ्यक्रम के रूप में शामिल किए जाने के संस्मरण साझा किए।

तीन-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थाओं और शोध संगठनों के लगभग 350 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों में प्रतिभागियों ने वीएलएसआई, सेमिकंडक्टर एवं अन्य अनुषंगी विषयों पर कुल 57 शोध पत्र प्रस्तुत किए।

परिचर्चा एवं समापन सत्र में उपस्थित अतिथि एवं प्रतिभागी

परिचर्चा एवं समापन सत्र

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में 01 अक्टूबर, 2023 को आयोजित पैनल परिचर्चा एवं समापन सत्र में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया सहित बिट्स-पिलानी के कुलपति प्रोफेसर वी रामगोपाल राव, सीरी के पूर्व निदेशक एवं बिट्स-पिलानी के सीनियर एमेरिटस प्रोफेसर डॉ चंद्रशेखर, डॉ देवेश द्विवेदी, प्रो दिनेश शर्मा, प्रो जी एस विश्वेश्वरन, प्रो एम बालकृष्णन, प्रो अल्पना अग्रवाल, प्रो वीरेंद्र सिंह और डॉ सुचंदन पाल शामिल हुए। संस्थान के वैज्ञानिकों एवं संगोष्ठी के प्रतिभागियों सहित समापन एवं परिचर्चा सत्र में लगभग 350 व्यक्तियों ने प्रतिभागिता की।

परिचर्चा में आरंभिक संबोधन देते हुए बिट्स-पिलानी के ग्रुप वाइस चांसलर प्रोफेसर वी रामगोपाल राव

परिचर्चा में अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्वान विशेषज्ञों ने वीएलएसआई क्षेत्र की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा की। बिट्स-पिलानी के ग्रुप वाइस चांसलर प्रोफेसर रामगोपाल राव ने विचारोत्तेक पैनल परिचर्चा सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने आरंभिक संबोधन द्वारा सत्र की दिशा तय की। उन्होंने आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए देश में सेमिकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पेनल परिचर्चा के दौरान विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर चंद्रशेखर, वरिष्ठ इमेरिटस प्रोफेसर,बिट्स-पिलानी एवं पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

इस अवसर पर **प्रोफेसर चंद्रशेखर** ने विख्यात राजनीतिज्ञ एवं आचार्य चाणक्य द्वारा रचित अर्थशास्त्र के श्लोक **"अमन्त्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधं। अयोग्य पुरुषः नास्ति, योजकस्तत्र दुर्लभः॥"** को समझाते हुए कहा कि ऐसा कोई अक्षर नहीं जिसका मंत्र न बन सके, ऐसी कोई जड़ी-बूटी नहीं जिसकी औषधि न बन सके, इसी प्रकार ऐसा कोई व्यक्ति नहीं जो अयोग्य अथवा अनुपयोगी हो, केवल उचित योजक (अर्थात मिलाने/समझने वाला) मिलना दुर्लभ है। इसी प्रकार हमें इस श्लोक की मूल भावना को समझते हुए परस्पर सहयोग से देश में वीएलएसआई और सेमिकंडक्टर क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ाना होगा।

प्रोफेसर बालकृष्णन ने कहा कि हमारे देश के आईआईएम जैसे प्रबंध संस्थान आईआईटी के इंजीनियर से भरे हुए हैं परंतु जैसे ही हमारे इंजीनियर वहां अपना कार्य आरंभ करते हैं वह अपनी इंजीनियरिग शिक्षा को भूल केवल एमबीए की शिक्षा का ही उपयोग करते हैं जबकि उनके द्वारा प्राप्त की गई इंजीनियरिग की शिक्षा देश में सेमिकंडक्टर क्षेत्र के लिए नई टेक्नोलॉजी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

पेनल परिचर्चा के दौरान विचार व्यक्त करते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने कहा कि **'आत्मनिर्भर भारत'** की संकल्पना को मूर्तरूप देने के लिए भारत में सेमिकंडक्टर क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार, शैक्षणिक संगठन, शोध व विकास संगठन तथा उद्योग, भारतवर्ष के चार स्तंभ हैं और विकसित राष्ट्र बनने के लिए इन चारों को मिलकर अपनी भूमिका निभानी होगी। इसके अतिरिक्त अन्य विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे तथा संगोष्ठी के प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनकी जिज्ञासा शांत की।

पेनल विशेषज्ञों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

समापन सत्र के अंत में डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी तथा बिट्स-पिलानी के ग्रुप वाइस

चांसलर प्रोफेसर रामगोपाल राव ने अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

अतिथियों को सम्मानित करते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी एवं बिट्स-पिलानी के ग्रुप वाइस चांसलर प्रोफेसर रामगोपाल राव

इससे पूर्व कार्यक्रम का संचालन करते हुए **श्री प्रमोद तँवर**, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए **श्री प्रमोद तँवर**, प्रमुख, पीएमई

प्रोफेसर राज सिह, पूर्व कार्यकारी निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ले संगोष्ठी के दौरान आयोजित गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संगोष्ठी में शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से सभी आमंत्रित अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आयोजन संबंधी सभी प्रकार की व्यवस्थाओं के लिए बिट्स-पिलानी के कुलपति प्रोफेसर रामगोपाल राव एवं सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया को धन्यवाद दिया।

परिचर्चा एवं समापन सत्र के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रोफेसर राज सिह, पूर्व कार्यकारी निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अतिथिगण एवं प्रतिभागी

समापन कार्यक्रम के उपरांत अतिथि वक्ताओं एवं वी-डैट 2023 के प्रतिभागियों ने प्रदर्शनी हॉल में आयोजित प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और संस्थान द्वारा विकसित प्रोद्योगिकियों एवं शोध गतिविधियों पर वैज्ञानिकों से चर्चा की।

इस प्रकार बिट्स एवं सीरी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी "वी-डैट 2023” संपन्न हुई।